Ravi Kant
RVR LIBRARY ALLAHABAD
Reena Verma

डायमण्ड कॉमिक्स

D-66 3.00

मामा भांजा और जादुई कलम

Reena Verma
Ravi Kant
CRYSTAL KUMAR UPLOAD

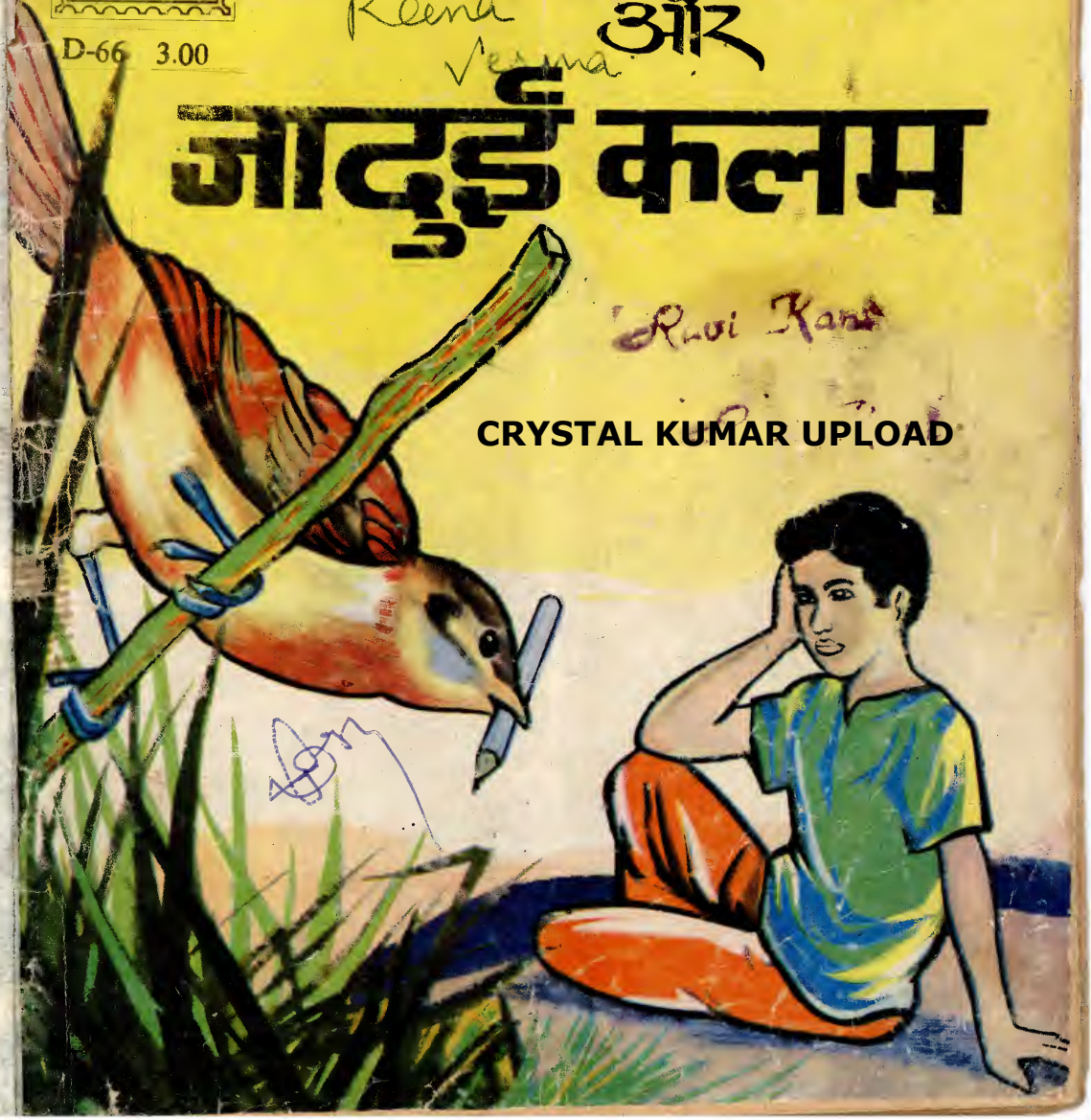

मामा भांजा सीरीज़

मामा भांजा सीरीज़ में आपके लिये इस बार कहानियों का ऐसा गुलदस्ता पेश है जिसमें रंगबिरंगे चित्रों में मनोरंजन के साथ साथ शिक्षाप्रद कहानियों का भी समावेश है!

जादुई कलम एक ऐसे दयालु बालक की कहानी है जिसने अनेक कष्ट सहकर सदैव भलाई का रास्ता अपनाया और अपने जादुई कलम से विजयगढ़ के क्रूर राजा को जनता की सेवा करने पर मजबूर कर दिया! पढ़िये और अपनी अमूल्य राय हमें लिख भेजिये!

डायमंड कामिक्स की भेंट ...
बच्चों की नई निराली मासिक पत्रिका!

अंकुर-1

शीघ्र प्रकाश्य मूल्य 2/50

डायमंड कामिक्स 21/5 दरिया गंज, नई दिल्ली-110002

© सर्वाधिकार सुरक्षित

डायमंड कामिक्स के लिये नरेन्द्र कुमार द्वारा 21/5 दरिया गंज, नई दिल्ली-110002 से प्रकाशित व मुद्रित

सम्पादक: गुलशन राय कथानक: आशू चित्रांकन: अतुल

मुद्रक: जे. प्रिन्ट पैक प्रा. लि. 8/39 कीर्ति नगर इन्डस्ट्रियल एरिया नई दिल्ली

जादुई कलम

मैं आज तुम्हें एक ऐसे दयालु बालक की कहानी सुनाता हूं जिसने अनेकों कष्ट सह कर भी सदैव भलाई का रास्ता अपनाया।

एक धनी किसान ने अपनी पहली पत्नी के मरने पर दूसरा विवाह किया, ताकि उसके पुत्र की ठीक परवरिश हो सके। नई पत्नी ने राजू को उसकी सगी मां की तरह ही प्यार दिया, मगर जब उसके पुत्र हुआ तो राजू उसे बुरा लगने लगा।

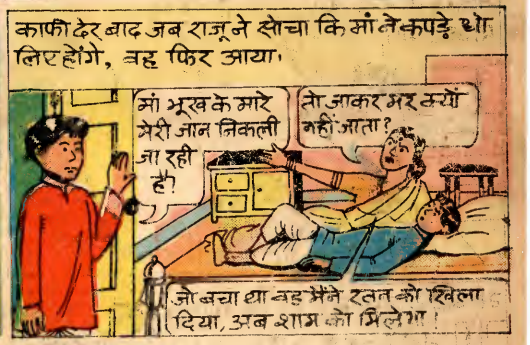

CRYSTAL KUMAR UPLOAD

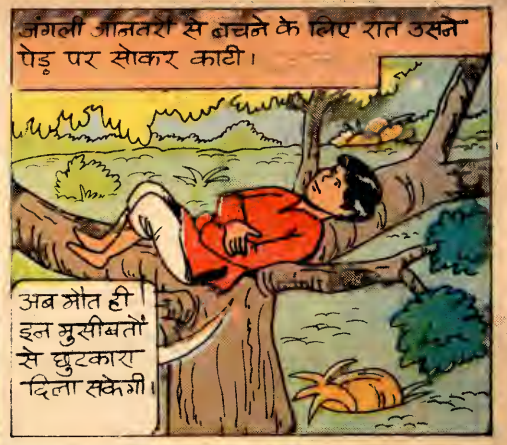

CRYSTAL KUMAR UPLOAD

CRYSTAL KUMAR UPLOAD

आगे एक विशाल नदी मिली। राजू घोड़े से उतरकर कलम से लिखने लगा।

मुझे आगे जाने का रास्ता दो।

और नदी के बीच रास्ता बन गया।

कुछ ही देर में वह जंगल से बाहर निकल गया। शहर की सीमा में प्रवेश करते हुए उसने एक बड़ा मैदान देखा।

यहां मेरे लिए एक शानदार महल होना चाहिए!

पलक झपकते ही वहां एक महल बन गया।

अहा! बेमिसाल!

कलम की बदौलत उसमें महल के नौकर, चाकर, पहरेदार और अपने लिए शानदार पोशाक बना वह महल में घुसा।

यह महल मेरा है, इस समय मैं यहां का राजा हूं!

सैकड़ों नौकर चाकर और पहरेदार मेरे आदेश का पालन करेंगे।

बहुत जल्दी नगरवासियों ने वह महल देखा।

हैं! कल तक तो यहां कुछ नहीं था!?

पृथ्वी पर इतना शानदार महल शायद किसी का नहीं होगा!

अद्भुत!

राज्य का एक सैनिक भी वहां आ पहुंचा।

राजा को खबर करनी होगी। यहां तो सिपाही भी हैं और यह महल निश्चित रूप से, ऐसा शानदार महल अगर हमारे राज्य में है तो इसका स्वामी भी हमारे राजा को होना चाहिए!

उसने राजा को खबर दी।

अगर सचमुच वहां महल है तो उस पर हमारा अधिकार होना चाहिए! अपने साथ सौ सैनिक ले जाओ। और महल पर कब्जा करके महल के स्वामी को गिरफ्तार कर लो!

जो आज्ञा महाराज!

CRYSTAL KUMAR UPLOAD

सैनिक युद्ध के लिए पूरी तरह तैयार होकर
जू के महल पर पहुंचे।

मुख्य द्वार पर राजू के महल के रक्षकों ने
उन्हें रोका।

हमारा रास्ता रोका तो खून खराबा हो जाएगा।
इस महल पर हमारा कब्जा समझो। हम
तुम्हारे स्वामी को गिरफ्तार करके ले जाएंगे।

तुम
अन्दर
नहीं जा
सकते!

से ही इस बात की खबर राजू को लगी
ह खुद बाहर आ गया।

ठहरो! खून खराबा करने की जरूरत नहीं, मैं तुम्हारे
राजा के पास चलता हूं। मगर जब तक मेरे और
राजा के बीच कोई फैसला नहीं हो जाता
यह महल मेरा रहेगा।

हमें कोई
आपत्ति
नहीं!

कर राजा के सामने.....

राज, इस पृथ्वी पर
ने का जितना
धिकार आपको है
ना ही मुझे भी है!

तुम्हारी हिम्मत
कैसे हुई हमारे
राज्य में महल
बनाने की

गुस्ताख! हम यहां के राजा हैं, हर चीज
पर हमारा अधिकार है। हम
शक्तिशाली हैं और तू
नासमझ बच्चा है।

तभी आप मुझ पर
बरस रहे
हैं। लेकिन
मैं साबित
कर
सकता हूं
कि मैं
अधिक
शक्तिशाली
हूं!

मेरे नाम से दुनियाँ कांपती
है। तू मेरे सामने मच्छर
के समान है!

मुझमें इतनी शक्ति है कि तुम्हारे
राज्य पर अधिकार करके
तुम्हें अपना सेवक बनाकर
यह राज्य वापस तुम्हारे हवाले
कर दूं!

इस राजा का घमण्ड चूर
करना ही पड़ेगा।
जादुई कलम से मैं एक
ऐसा राक्षस प्रकट करता
हूं जो इसकी सारी सेना
को निगल ले।

गिरफ्तार
कर लो
इसे!

क्या हुक्म है, मेरे
मालिक?

राजा के घमण्ड
को चूर करना
है। इस राज्य
की सारी सेना
को निगल
जाओ।

और राक्षस ने तुरन्त आदेश का पालन
किया।

दरबार में सिर्फ राजा और राजू रह गए।

कहो राजा, क्या अब भी तुम शक्तिशाली
हो?

न.... नहीं!
मुझे क्षमा
करो!!

और राजा राजू के कहने में आ गया।

मैंने तुम्हारे बारे में सुना है कि तुम बहुत क्रूर और
अत्याचारी हो। आज से तुम दयालु राजा बनकर
जनता की दुआएं लेनी शुरू कर दो!

तुमने मेरी
आखें
खोल दी
मुझे
अपने
किए पर
खेद है!

CRYSTAL KUMAR UPLOAD

राजू ने राक्षस से निगली हुई सेना को उगलने के लिए कहा।

याद रखना, यदि मुझे तुम्हारे बारे में जनता से कोई शिकायत मिली तो फिर मैं तुम्हें क्षमा नहीं करूंगा!

मैं अपनी औलाद की तरह प्रजा का ख्याल रखूंगा!

और राजा नेकी के कामों में लग गया।

महामन्त्री इस बार वर्षा समय पर न होने से अकाल पड़ गया है। किसान लगान नहीं दे पाएंगे। अतः लगान माफ कर दिया जाए।

महामन्त्री महल के द्वार पर जो भी आए और जो कुछ मांगे उसे तुरन्त दे दिया जाए। किसानों और गरीबों को साहूकारों के कर्जे से मुक्त कर दिया जाए ताकि वे खुशहाल हो सकें!

प्रजा जानती थी कि यह सब राजू का किया हुआ है। इसलिए....

दयालु राजू...

जिन्दाबाद!

मैं तो आपके बच्चे के समान हूं, मुझे इतना ऊंचा दर्जा न दें!

आप बालक हैं तो क्या हुआ आपने हमारे शक्तिशाली राजा का घमण्ड चूर किया, उन्हें दयालु और नेक बनाया। आज से सारी जनता आपको दयालु बालक कहेगी।

तभी भीड़ में से निकलकर एक महात्मा सामने आए।

एक दिन तुम प्रतापी राजा बनोगे बालक! मगर धोखे से बचना, वरना बहुत दुःख झेलोगे!

मैं अनपढ़ गंवार भला राजा बनकर प्रजा को क्या सुख दे सकूंगा!

मैं आज ही आपके साथ आश्रम में चलता हूं!

तुम नित्य मेरे आश्रम में आओ, मेरा विश्वास है तुम बड़े विद्वान बनोगे। तुममें प्रतिभा है बालक!

और उसी दिन से राजू महात्मा के आश्रम में विद्या ग्रहण करने लगा।

वह पूर्ण निष्ठा और सच्ची लगन से विद्याध्ययन में जुट गया।

यह विद्वान महा विद्वान बनेगा। इतनी शीघ्रता से सभी प्रमुख ग्रन्थों का अध्ययन कर लिया इस बालक ने!

और दस वर्ष पश्चात जब वह युवा हुआ।

राजू तुम महान हो, इतनी कम उम्र में दुनिया का समस्त ज्ञान तुमने पा लिया। शायद तुमसे बड़ा विद्वान इस

मुझसे बड़े तो आप हैं गुरुदेव! जो कुछ मुझे यहां मिला सब आपका दिया है! आप पूज्यनीय हैं!

मेरा जीवन सफल हुआ जो तुम जैसा महाज्ञानी मेरा आदर करता है। मेरा आशीर्वाद तुम्हारे साथ रहेगा!

CRYSTAL KUMAR UPLOAD

जू जब वापस अपने महल में लौटा
जनता उसे देखने के लिए ऐसे
मड़ पड़ी जैसे भगवान धरती पर
तर आए हों और उनके दर्शनों के
ए जनता लालायित हो !

और राजू का यश दूर दूर तक फैलता
चला गया।

सुना है विजयगढ़ में राजा भानु सिंह से भी अधिक शानदार महल में एक खूबसूरत युवक रहता है। उसे दयालु बालक कहते हैं वह किसी को निराश नहीं करता।

वह दस वर्ष पहले आया था। अब महाविद्वान व महादानी है !

हम अपने गांव के गरीब लोग मिलकर उसके पास चलते हैं, कुछ धन मांगेंगे फिर अच्छी खाद और बैलों की जोड़ी खरीद कर खेती करेंगे। इस तरह हम खेतों से अच्छी पैदावार ले सकते हैं !

राजू सचमुच किसी को निराश नहीं करता था।

लो, मुखिया अपने गांव को खुशहाल बनाओ। सब किसानों को बैलों की जोड़ी, खाद, बीज आदि दिलवा देना, ताकि फसल अच्छी हो !

हर रात को वह अपने खजाने वाले कमरे में जाता जो दिन में खाली हो चुका होता था।

फर्श पर कलम जैसे ही वाक्य पूरा करती कमरा सोने के सिक्कों से भर जाता।

राजू की वजह से वह राज्य खुशहाल और सम्पन्न हो गया था। दूसरे राजा विजयगढ़ की सम्पन्नता से जलने लगे थे।

कभी विजयगढ़ का राजा भानु सिंह हमारे लिए उपहार भेजता था ताकि हम उसपर हमला न करें। अब उसका दिमाग चढ़ गया।

कई राजाओं ने मिलकर फैसला किया।

हमारी मिली जुली शक्ति विजयगढ़ पर अधिकार कर लेगी और फिर विजयगढ़ को हम आपस में बांट लेंगे।

मन्जूर है!

बहुत जल्दी ही विजयगढ़ के राजा भानु सिंह, राजू के महल में पधारे।

श्याम नगर, जीतपुर भैरोंगढ़, विलासगढ़ इन सब राज्यों की सेना विजयगढ़ की ओर बढ़ी चली आ रही है।

फिक्र मत करो राजन!

सब ठीक हो जाएगा। उन लालची राजाओं को निश्चय ही मुंह की खानी पड़ेगी

ठीक है, तो मैं निश्चिन्त रहूंगा !

बढ़े चलो जवानो, विजयगढ़ को तहस नहस कर दो। राजा मिले या वह ढोंगी दयालु बालक, दोनों को खत्म कर दो। धूल में मिला दो विजयगढ़ को !!

CRYSTAL KUMAR UPLOAD

जयगढ की ओर से उनका मुकाबला
रने अकेला राजू आया।

यावी शक्ति दिखाकर
इन्हें भगाया जा सकता
है।

मगर इन्हें जीतने के लिए मुझे इनके
दिल जीतने चाहिए, इस विशाल सेना का
मुकाबला अकेले करके !

राजू ने जमीन पर लिखा...

दुश्मन ने उसे मार्ग में खड़ा देख उपहास उड़ाया।

मैं मजाक नहीं कर रहा हूं
सूरजभान। मैं अकेला इस
सारी सेना का मुकाबला
करूंगा !!

अगर मैं
जीत गया
तो तुम मेरी
हुकूमत
मानोगे !?

हा-हा-हा
मंजूर है!

और राजा सूरजभान अपनी सारी सेना सहित राजू पर टूट पड़ा।

राजू की तलवार बिजली की तरह चमक रही थी। उसने
एक ही बार में राजा सूरजभान के हाथी का सिर
भी काट फेंका।

आ-S-S-S!

और...

राजा सूरजभान
मुझे खेद है तुम
हार गये !

सचमुच तुम
विजेता हो !

मैं तुम्हारे राज्य पर अधिकार
नहीं करना चाहता, बस इतना
चाहता हूं कि तुम और यह सब
राजा जो विजयगढ को जीतने
आए थे, आज से लालच छोड़
कर नेकी और दयालुता का
रास्ता अपनाएं !....

... और अपने राज्य की जनता को सदैव
खुशहाल रखें !

ऐसा ही होगा
महापराक्रमी !

इस प्रकार राजू कुछ ही वर्षों में पूरी दुनिया में मशहूर हो गया.... और एक दिन:...

हम दुनिया के समस्त राजा आज से तुम्हें अपना
राजा चुनते हैं। तुम सम्राट हो और हम तुम्हारे
प्रतिनिधि के रुप में अपने राज्यों
का राजकार्य देखेंगे !

पर तुमने कैसा फैसला कर
डाला, मैं तो साधारण
व्यक्ति बनकर लोगों की
भलाई करना चाहता
हूं !

CRYSTAL KUMAR UPLOAD

और वह पूरी पृथ्वी का सम्राट बन गया।

चारों दिशाओं में शान्ति है, खुशहाली है, बेमवहै कोई अपराधी नहीं, लोग घरों में ताला नहीं लगाते। मुझे खुशी है कि पृथ्वी पर कोई दुःखी नहीं है!

मगर ऐसा नहीं था। उसकी सौतेली मां और सौतेला भाई रतन दुःखी थे।

मां, साहूकार ने हमारी जमीन हड़प ली

दयालु बालक के पास जो साही पृथ्वी का सम्राट है!

अब हम कहां जाएंगे।

तभी तो जब साहूकार ने हमारी जमीन हड़प ली, किसी ने हमारी मदद नहीं की!

मां, यह सब तब से शुरु हुआ जब से हमने राजू को घर से निकाला था। पूरा गांव हमारे खिलाफ हो गया।

अब बन्द करो बकवास! वह तो कहीं मर खप गया होगा। उसका जिक्र ही मत करो। या कहीं भीख मांग रहा होगा!

तुम्हें उस पर अत्याचार नहीं करना चाहिए था। मैं तो बच्चा था मगर तुम तो समझदार थी!

और वे दोनों सम्राट के दरबार में पहुंचे।

हमारी मदद करो अन्नदाता, पूरी दुनिया सुखी है मगर हम दो अभागे दर-दर की ठोकरें खा रहे हैं!

हैं! यह तो मां है! मेरी सौतेली मां, जिसने मुझे अनगिनत यातनाएं दी थी, और इसके साथ जो लड़का है शायद रतन होगा।

उनकी हालत देखकर राजू को उन पर दया आ गई।

र...र...राजू मेरे बेटे!

उठो मां, मैं कोई गैर नहीं, तुम्हारा बेटा राजू ही हूं।

राजू ने पूरे दरबार में बता दिया कि वह उसकी मां है और उसके साथ वाला लड़का उसका भाई है।

बेटा मैं शर्मिन्दा हूं अपने किए पर

पिछली बातें मुझे कुछ याद नहीं मां! तुम मेरे पास रहो और रतन मेरे काम में हाथ बंटायेगा।

मगर कुछ दिन बाद ही सौतेली मां अपने पर काबू न पा सकी।

सुनो रतन, तुम राजू के साथ रहो और पता लगाओ कि उसके राजा बनने का राज क्या है।

समझा मां!

यह छोकरा भला क्या शरण देगा मुझे! गैर बेटा बनेगा दुनिया का सम्राट!! राजू भिखारी बनेगा...जरूर बनेगा!!!

राजू रोज खजाना दान करता है, कमरा खाली हो जाता है और रात ही रात में फिर भर जाता है। रात को सोने से पहले खजाने वाले कमरे में जाता है।

और जल्दी ही रतन ने असलियत मालूम करली!

हूं...तो इस कलम से जो लिखा जाता है वही होता है।

रतन अपनी मां के पास पहुंचा।

मां उसने कलम से फर्श पर लिखा, "कमरा सोने के सिक्कों से भर जाय" तो कमरा भर गया!

बस यही राज है उसके राजा बनने का! आज रात उसके खाने में बेहोशी की दवा मिला दो फिर सुबह कलम हमारे पास होगी!

CRYSTAL KUMAR UPLOAD

राजू ने बेहोशी की दवा मिला भोजन किया

अब मैं सम्राट बनूंगा

बस अब सो जा, सुबह तू सम्राट नहीं भिखारी के रूप में जागेगा !

बेहोशी की दवा के असर से जब वह अपने शयनागार में बेहोशी की नींद सो रहा था....

मैंने खिड़की से देखा था, इसने कलम यहीं रखी थी।

क्यों न अभी इस कम्बख्त से छुटकारा पा लूं !

रतन की मां ने फर्श पर लिखा।

राजू किसी अनजान जंगल में जब अपने बेड़ का जे खिलौना बेड़ वह ढूंढ़ने पर जब

और जैसे ही वाक्य पूरा हुआ, राजू गायब हो गया।

जब राजू की बेहोशी टूटी, उसने अपने आप को एक भयानक जंगल में पाया।

हैं, मैं यहां कैसे ?! आखिर धोखा खा गया !

यह सब सौतेली मां का किया धरा होगा। मैंने भूल की जो उनका अपराध क्षमा करके अपने पास रख लिया।

गुरुदेव की बात आखिर सच निकली कि मैं धोखा खाऊंगा और कष्ट झेलूंगा।

उधर- अगले दिन दरबार में राजू के स्थान पर रतन को देख कर सभी चौंक उठे।

हम तुम्हें सम्राट मानने को तैयार नहीं। हमें अपने वही सम्राट चाहिए जिसे दुनिया दयालु बालक कहती है

तभी चीख कर वह गिर पड़ा।

आ...ह !

जो मुझे सम्राट मानने से इन्कार करेगा उसका यही हाल होगा।

मगर राजा भानु सिंह ने फिर भी विरोध किया

हम नहीं स्वीकार करते तुम्हें... अ...आ...

CRYSTAL KUMAR UPLOAD

और रतन को सम्राट मान लिया गया।

हमारे आधीन सभी राजाओं को हमारा आदेश दिया जाए, जनता को दी जाने वाली मदद बन्द कर दें। इससे लोगों में आलस्य आता है और कोई मेहनत नहीं करता।

किसानों का लगान बढ़ा दिया गया ताकि लगान चुकाने के लिए किसान ज्यादा मेहनत करें, इससे ज्यादा अनाज पैदा होगा।

जनता त्राहि-त्राहि कर उठी। पृथ्वी पर हा-हाकार मच गया।

विधाता यह दिन दिखाने से तो अच्छा था दयालु बालक आता ही नहीं। उसके राज में न बर्दाश्त करने की आदत पड़ गई थी।

लगान नहीं दिया! यही होगा!

आह!

अत्याचारी रतन और उसकी डायन मां से तो अब विधाता ही छुटकारा दिला सकता है। न जाने कहां गया दयालु बालक!?

उधर राजू के लिए पेड़ों पर जहरीले फल थे और पानी का नामो निशान न था।

आह! इन फलों को खाता हूं तो मौत है। कई महीने बीत गए, अब तो चलने से भी लाचार हूं!

अब इन जहरीले फलों को ही लेना चाहिए जिससे मौत आ जाए। ओफ! गुरु जी ने कहा था कि मुसीबतों में घबराना नहीं चाहिए!

आत्महत्या करना पाप है। जो दुःख मैं इस जन्म में भोग रहा हूं इससे बचने के लिए यदि मैं आत्म हत्या करूंगा तो यह दुःख मुझे अगले जन्म में भोगना होगा!

उसी समय सुनहरी चिड़िया ने राजू को देखा। यह वही चिड़िया थी जिसका राजू ने उपकार किया था और उसी ने उसे जादुई कलम दी थी।

ओह! यह वही दयालु बालक है जिसने एक बार मेरी जान बचाई थी। मगर इसके पास तो जादुई कलम थी।

चिड़िया उसके पास आ गई और उससे पूछा कि उसकी यह हालत कैसे बनी, राजू ने सारी बात बता दी।

तुम बड़े भोले हो, यही कारण है कि तुम्हें दुःख झेलने पड़े तुमने आज तक कोई बुरा काम नहीं किया इसलिए मैं तुम्हारी मदद करूंगी

नहीं चिड़िया रानी, वह राज्य पाकर खुश है तो उन्हें खुश रहने दो!

जैसी तुम्हारी इच्छा!

नहीं दयालु बालक! जरूर वह जनता पर अत्याचार कर रहे होंगे। मैं जाती हूं अगर जनता खुश होगी तो ठीक है वरना जादुई कलम तुमको लाकर दूंगी।

और सुनहरी चिड़िया ने जनता की दुर्दशा देखी।

लगान दो!

हमारे घर खाने को जहर भी नहीं है लगान कहां से दें!?

उफ! जुल्म ही जुल्म!!

लगान न देने से यही होगा!

CRYSTAL KUMAR UPLOAD

चिड़िया राजमहल में पहुंची।

ओह कलम से इस विरोधी को मारने के लिए लिखवा होगा। दुष्ट मां, बेटे!

अब अत्याचार हमसे बर्दाश्त नहीं होता आ... आह!

उसी समय...

हैं, कलम!? चिड़िया!!?

कलम लेकर चिड़िया उड़ चली।

तुम दुष्ट मां बेटे के लिए यह कलम नहीं!

चिड़िया राजू के पास पहुंची।

दयालु बालक! पूरी दुनिया उनके जुल्म की चक्की में पिस रही थी। मैं कलम ले आई।

क्या मुझे अपनी मां और भाई को सजा देनी होगी!?

मेरे ख्याल में जब तक तुम दरबार में पहुंचोगे, दरबारी मां व बेटे को मार चुके होंगे!

ओह! तो मुझे जल्दी पहुंचना चाहिए!

उसने जल्दी से लिखा।

बदले की भावना इसमें बिल्कुल नहीं, सचमुच महान है यह; लोग ठीक ही कहते हैं इसे दयालु बालक!

मैं अपने महल में पहुंच गई

उधर महल में....

रतन अब हमारे पास कलम नहीं है, अब भाग लो वरना जनता मार डालेगी।

हां मां हमने बहुत अत्याचार किए हैं।

दरबारियों ने सोचा....

यह भाग रहे हैं!

लगता है इनके पास विरोधी को मारने की जो शक्ति थी वह चली गई है

और तभी उन्हें पकड़ लिया गया।

खत्म कर दो इन्हें!

हमसे भूल हुई है!

ना... नहीं, हमें माफ करो!

और तभी राजू आ गया।

ठहरो!

आह! दयालु बालक!!

हमारे प्रिय सम्राट!

इन्हें छोड़ दो! इनके गुनाहों की सजा ईश्वर स्वयं देंगे। बस, इन्हें कोई पनाह न दे यही सजा है इनकी!

फिर मां बेटे को महल से निकाल दिया गया।

तड़प-तड़प कर मरेंगे!

कीड़े पड़ेंगे!

थू!

CRYSTAL KUMAR UPLOAD

दयालु बालक...

जिन्दाबाद!

जो कानून मैंने बनाए थे वही लागू होंगे, सम्राट रतन के कानून रद्द माने जाएं खजाने के द्वार खोल दिए जाएं गरीबों को मुंह मांगी चीजें दी जाएं!

प्यारे बच्चो, जो झूठ नहीं बोलते, किसी को सताते नहीं हैं और दयालु होते हैं उनके काम से लोगों को सुख मिलता हो वह हमेशा यश पाते हैं, खुशहाल रहते हैं!

जो बुरे होते हैं, उन्हें कुछ समय के लिए भले ही सुख मिल जाए मगर बाद में दुःख ही दुःख मिलता है!

तुम्हें दयालु बालक राजू की तरह बनना है हमेशा बड़ों का आदर करो, झूठ न बोलो, किसी को सताओ नहीं, दुखियों और लाचारों की मदद करो। राजू की तरह पूरी निष्ठा से पढ़ो, ताकि उसकी तरह महान बन सको!

हम वचन देते हैं मामा जी कि हम राजू की तरह महान बनेंगे। खूब मन लगाकर पढ़ेंगे। दूसरों की विपत्ति में मदद करेंगे ताकि राजू की तरह महान बनें!

अंत भले का भला

मामा, अब कोई कहानी सुनाओ!

भांजे, अब मैं तुम्हें लोभ और लालच की कहानी सुनाऊंगा!

पापबुद्धि और धर्मबुद्धि नाम के दो दोस्त थे। दोनों ने विदेश जाकर धन कमाने की योजना बनाई।

चलो मित्र, विदेश से धन कमा लाएं, फिर सुख से रहेंगे।

ठीक है मित्र, हम दोनों मिलकर खूब धन कमायेंगे।

दोनों ने मिलकर माल खरीदा और विदेश भेजा।

सारा माल देख लिया है, यह रहे तुम्हारे पैसे।

धन्यवाद!

CRYSTAL KUMAR UPLOAD

माल बेच कर उन्होंने खूब धन कमाया।

चलो मित्र, अब वापस लौट चलें!

हाँ दोस्त! बहुत धन कमा लिया, अब कुछ वर्ष सुख से रहेंगे।

मित्र, इतना सारा धन देख कर हमारे संबन्धी हमारे से जलेंगे, इसलिये क्यों न हम थोड़ा-थोड़ा धन साथ ले चलते हैं, बाकी यहीं गाड़ देते हैं, जरूरत पड़ने पर निकाल लिया करेंगे।

मित्र! तुम ठीक समझे!

गड्ढा खोद कर धन यहीं गाड़ देते हैं।

चलो मित्र! अब गाँव चलें।

चलो!

अच्छा दोस्त! कल मिलेंगे।

अच्छा दोस्त, विदा!

एक रात....

क्यों न मैं धर्मबुद्धि को धोखा देकर उसका सारा धन हड़प कर लूँ, यही मौका है।

तभी पापबुद्धि जंगल में गया, और गड्ढा खोदकर साश धन निकाल लिया।

यह सारा धन लेकर मैं सारी जिन्दगी मजे में रहूँगा।

मैं सारे धन को अपने बिस्तर के नीचे छुपा देता हूँ। उसके ऊपर चादरें ओढ़ देता हूँ।

और सुबह होते ही....

अब जाकर धर्मबुद्धि की हालत पतली करता हूँ।

वह धर्मबुद्धि के घर पहुँचता है।

क्यों भाई! धर्मबुद्धि क्या हाल है!

ठीक है, दोस्त! तुम सुनाओ!

CRYSTAL KUMAR UPLOAD

बात यह है दोस्त, कि मेरा परिवार बड़ा है, सो मेरे पास जितना धन था, समाप्त हो गया है। चलो! थोड़ा थोड़ा धन और निकाल लें।

चलो! इसमें मुझे क्या एतराज है।

खोद कर पापबुद्धि उछल पड़ा। अरे सचमुच से सारा धन किसने निकाल लिया! ओह! यह क्या हुआ! धन कौन ले गया!?

तब पापबुद्धि ने लपक कर धर्मबुद्धि का गला पकड़ लिया। दगाबाज! तूने दोस्ती के नाम पर कलंक लगाया है। चुपके से सारा धन खोद कर ले गया और मेरे सामने सीधा बनता है।

धर्मबुद्धि अपना गला छुड़ाते हुये बोला..... क्या कहते हो मित्र! मैंने तुम्हारे साथ कोई छल नहीं किया!

तब पापबुद्धि फूट फूट कर रोने लगा। हाय! मैं लुट गया! इस धोखेबाज लालची मित्र ने मेरा धन चुरा लिया। मैं राजा से शिकायत करूंगा।

धर्मबुद्धि बेचारा क्या बोलता उसकी समझ में कुछ नहीं आ रहा था। पापबुद्धि वहाँ से भागा। मैं अभी राजा के पास जाता हूँ न्याय मांगूंगा। सुनो तो मित्र!

राजा के दरबार में.... महाराज दुहाई है! मैं लुट गया। मेरे धोखेबाज मित्र ने मेरा सारा धन हड़प लिया। मैं निर्दोष हूँ महाराज; मैंने अपने मित्र के साथ कोई छल नहीं कर सकता।

धन रखा कहाँ था? और किसका था? पूरी बात बताओ! न्याय जरूर मिलेगा।

महाराज! हम दोनों ने मिलकर विदेश से धन कमाया। थोड़ा-थोड़ा धन लेकर बाकी सारा धन जंगल के एक पेड़ के नीचे गड्ढे में गाड़ दिया। तय यह किया कि जब भी धन की जरूरत पड़ेगी आधा-आधा निकाल लिया करेंगे। लेकिन इसने चुपके से सारा धन चुरा लिया।

राजा ने धर्मबुद्धि से पूछा— क्यों धर्मबुद्धि! तुमने धन... महाराज मैं अपने दोस्त से विश्वासघात नहीं कर सकता मैं तो सारा धन उसी समय बांट रहा था, मगर धन गाड़ने की योजना पापबुद्धि ने ही बनायी थी।

राजा कुछ देर सोचता रहा, फिर बोला... ठीक है! आज रात हम उस जगह जायेंगे जहाँ धन गड़ा था। तुम्हारी गवाही पेड़ देंगे। यदि आसपास के पेड़ों ने तुम्हें धन चुराते देखा होगा तो वह अवश्य सच सच बता देंगे।

CRYSTAL KUMAR UPLOAD

यदि पेड़ों ने तुम्हें दोषी बताया तो तुम्हें मौत की सजा मिलेगी। रात को हम वहाँ पहुँच जाएँगे। तुम दोनों भी पहुँच जाना।

हम हाज़िर हो जाएँगे, महाराज।

पापबुद्धि ने घर आकर सारी बात अपने पिता को बताई।

पिताजी, धर्मबुद्धि को फँसाने का एक ही रास्ता है कि आप पहले से जाकर पास के पेड़ की खोल में छुप जाना और धर्मबुद्धि के पूछने पर उसे दोषी बताना।

पिताजी, आप उस खोल में बैठ जाइए।

जब मैंने चोरी नहीं की तो पेड़ हमें क्या कर देंगे। मगर क्या पेड़ बोलेंगे, यह कैसे हो सकता है पेड़ गवाही नहीं देंगे।

रात होते ही राजा अपने सैनिकों के साथ पहुँच गया। पापबुद्धि और धर्मबुद्धि भी वहाँ पहुँच गए थे।

धर्मबुद्धि! आगे बढ़ो, और गड्ढे के आसपास लगे पेड़ों से पूछो कि, क्या चोरी करते हुये उन्होंने तुम्हें देखा है?

धर्मबुद्धि आस पास लगे पेड़ों से बोला...

हे! पेड़ो, तुमने मुझे धन चुराते देखा है?

हूँ! धर्मबुद्धि ने ही चोरी की है।

राजा बुद्धिमान था। वह सब समझ गया था। पापबुद्धि फौरन दौड़कर राजा के पास आया और बोला-

देखो, महाराज! पेड़ ने बोलकर गवाही दे दी, धर्मबुद्धि ही चोर है।

उधर धर्मबुद्धि को क्रोध आ गया। पेड़ ने उस पर झूठा आरोप लगाया था। उसने पास के सैनिक से जलती मशाल छीन ली।

...और जिस पेड़ से आवाज़ आयी थी, उसमें आग लगा दी। आग लगते ही खोल से पापबुद्धि का पिता चिल्लाया।

बचाओ! बचाओ!

CRYSTAL KUMAR UPLOAD

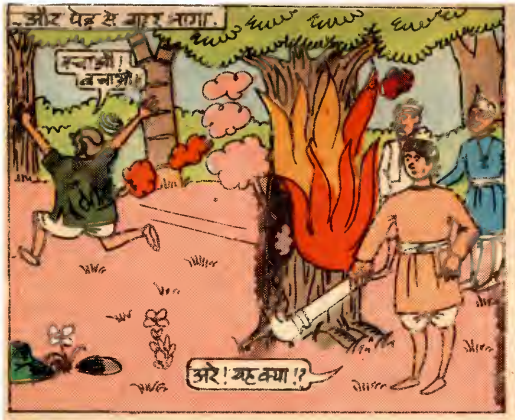

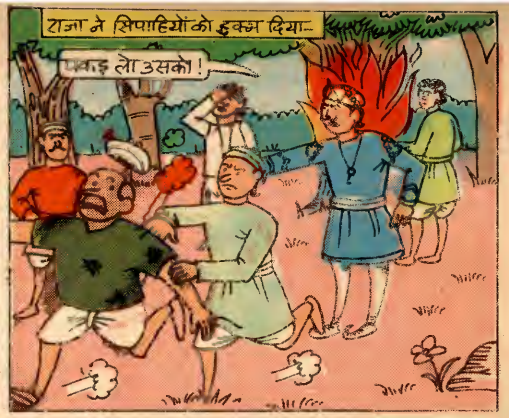

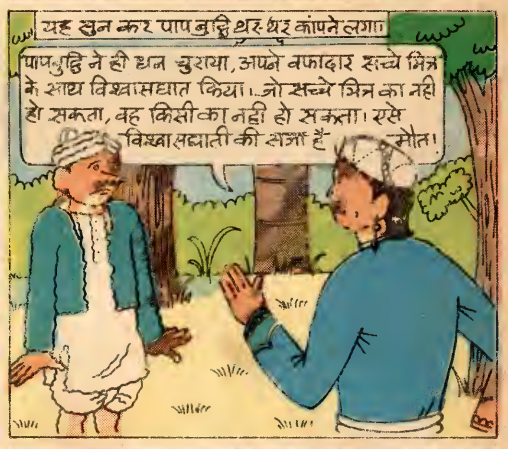

CRYSTAL KUMAR UPLOAD

लालच करना बुरी बला है।

एक नगर में चार ब्राह्मण पुत्र रहते थे। वह चारों ही बहुत गरीब थे। उन्होंने विदेश जाकर धन कमाने का निश्चय किया।

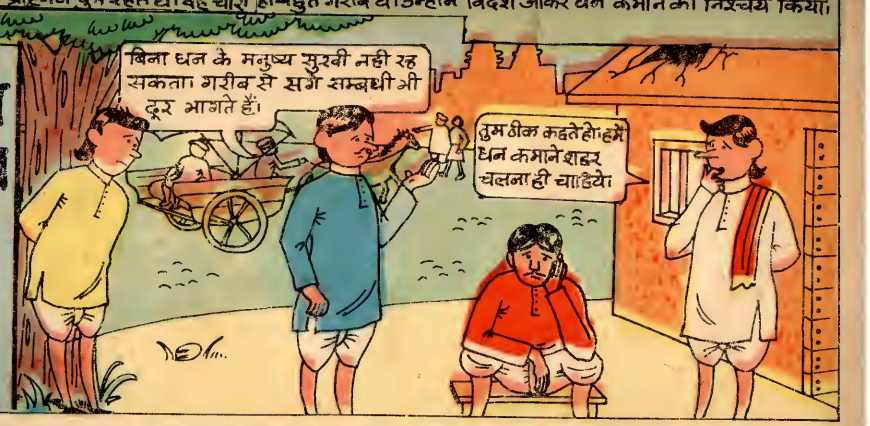

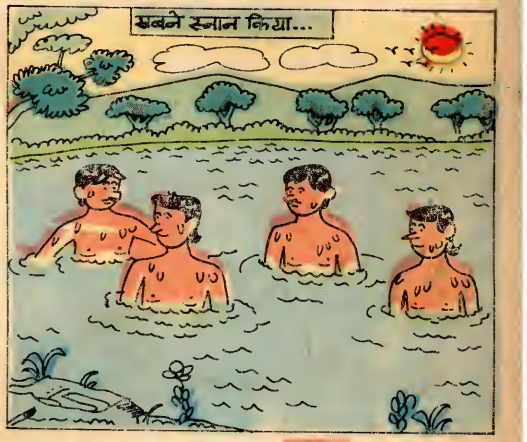

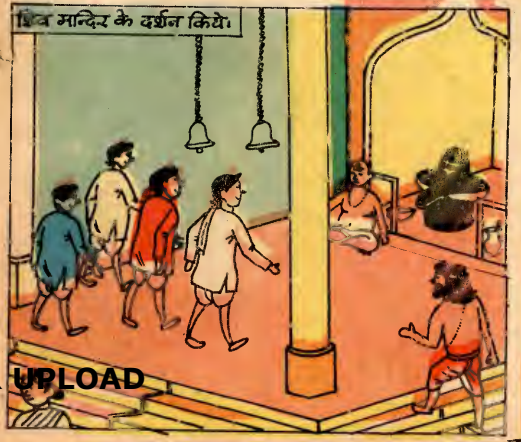

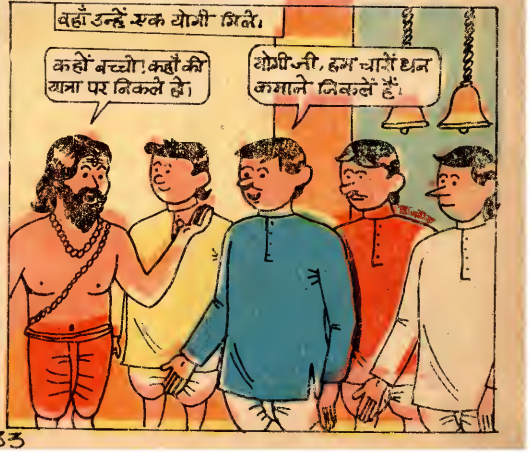

एक उपाय मैं बतलाता हूँ। तुम चारों अपने हाथों में दीपक जलाकर हिमालय पर्वत की ओर जाओ, जिसका दीपक जहाँ जमीन पर गिर जाय, वहीं खोदें, वहीं धन की प्राप्ति होगी, हाँ अधिक लालच में न फंसना।

उन सभी ने योगी जी से विदा ली।

अच्छा योगी जी, प्रणाम! आपने हमारा भारी प्रदर्शन किया। हम चलते हैं।

जाओ बच्चो! तुम्हारा कल्याण होगा।

वे चारों हिमालय पर पहुँचे।

चलो, अब योगी जी के कहे अनुसार हथेली पर दीपक जलाकर रख लें। और यात्रा शुरू कर दें

चारों ब्राह्मण पुत्र जलता दिया हथेली पर रखे पर्वत पर चढने लगे।

देखें, योगी जी का कथन सत्य होता है या फिर मूर्ख बनाया गया है।

कुछ दूर जाकर एक ब्राह्मण का दीपक जमीन पर गिर पड़ा

लो भाई! तुम्हारा दीपक गिर गया, यहीं खोदें।

गड्ढा खोदने पर वहाँ ताम्बे की खान निकली

वाह! ताम्बा ही ताम्बा। अब आगे मत जाओ। ढेर सारा ताम्बा ले चलते हैं।

लेकिन बाकी तीनों आगे बढ गये। पर वह ब्राह्मण ताम्बा खोदने में व्यस्त हो गया।

ताम्बा तू ही ले जा, हो सकता है आगे और अच्छी वस्तु मिल जाए।

कुछ और आगे जाकर फिर एक ब्राह्मण का दीपक गिरा। वह भी लगा गड्ढा खोदने।

अब देखें, क्या निकलता है!

वहाँ चान्दी की खान निकली वह ब्राह्मण चान्दी निकालने लगा।

ओह! यहाँ तो चांदी ही चांदी है। अब और आगे मत जाओ भाइयो! सब मिलकर ढेर सारी चांदी निकालो और लौट चलो!

मगर बाकी दोनों आगे बढते हुये बोले.....

मूर्ख! चांदी को छोड़ और हमारे साथ आगे चल। पहले ताम्बा मिला था, अब चांदी मिली है। आगे निश्चित रूप से सोना मिलेगा।

नहीं भाई! तुम आगे जाओ। मुझे तो चांदी से ही संतोष है।

CRYSTAL KUMAR UPLOAD

दोनों ब्राह्मण आगे बढ़े। कुछ दूर जाने पर एक ब्राह्मण का दीपक और गिरा।

अरे! मेरा दीपक भी गिर गया!!

वहाँ भी लगे गड्ढा खोदने, और उन्हें वहाँ सोने की खान मिली।

देखो! सोना ही सोना!!

वह ब्राह्मण सोना निकालते हुये बोला....

बस भाई, अब और आगे जाने की जरूरत नहीं है। सोने से बढ़कर अब और क्या होगा। जितना चाहो सोना लो और लौट चलो!

अरे मूर्ख! यहाँ सोना मिला है तो आगे हीरे मोती मिलेंगे। इसे छोड़! और मेरे साथ चल।

नहीं, नहीं! लोभ करते-करते तो हम यहाँ तक आ गये, और सोना प्राप्त कर लिया। अब और लालच ठीक नहीं!

मैं तो आगे जाऊँगा, मेरा भाग्य बड़ा प्रबल है। पहले ताँबा, फिर चांदी, फिर सोना, अब निश्चय ही हीरे-मोती की खान मिलेगी।

वह आगे बढ़ गया। लेकिन अब रास्ता कठिन था। ठण्ड भी बढ़ गयी थी।

आगे जाने का मार्ग कठिन हो गया है। मगर आगे तो बढ़ना ही है।

उसे आगे एक व्यक्ति मिला, जिसके सर पर एक बड़ा चक्र घूम रहा था। उसे देख ब्राह्मण रुक गया।

वह व्यक्ति लहूलुहान था। और दर्द से कराह रहा था।

अरे भाई! तुम्हें क्या हुआ? यह चक्र तुम्हारे सिर पर क्यों घूम रहा है? यह कष्ट तुम्हें क्यों उठाना पड़ रहा है?

उसके इतना कहते ही वह चक्र उड़कर ब्राह्मण के सिर पर लग गया और घूमने लगा।

आह! यह क्या?!

वह व्यक्ति चक्र के बोझ से चीत्कार पा गया।

तुम्हारे लोभ का ही यह फल है! अब यह चक्र लगातार तुम्हारे सिर पर घूमता रहेगा!

हे भगवान! लोभ से इससे छुटकारा कैसे मिलेगा? मैं तो दर्द से मरा जा रहा हूँ।

CRYSTAL KUMAR UPLOAD

भाई, मैं भी धन के अति लोभ के कारण यहाँ तक आ गया था। यह चक्र जिस पुरुष के सिर पर था, मैंने भी उससे ऐसा ही प्रश्न पूछा था, तब यह चक्र मेरे सिर पर आ गया था। ....

...असल में यह वह जगह है, जहाँ अति लोभ करने वाले को सजा मिलती है। अब मैं चलता हूँ।

भाई! इससे छुटकारा पाने का उपाय तो बताते जाओ!

जब इस जगह पर तुम्हारे और मेरे जैसा लोभी व्यक्ति आयेगा, और सिर पर चक्र घूमने का कारण पूछेगा, तब ही तुम्हें इससे छुटकारा मिलेगा।

इस प्रकार तुमने देखा बच्चो! कि अति लोभ करने से बुद्धि काम नहीं करती। मनुष्य लोभ में अन्धा होकर बुद्धि का उपयोग नहीं कर पाता।

वाह! मामा, आज तो मजा आ गया। हम भी आज से लोभ जैसी प्रकृति से दूर रहेंगे।

शाबाश! मेरे बच्चो!!

मामा! एक और कहानी सुनाओ!

हाँ, तो सुनो दो और कहानियां

अधिकारी की लालसा

श्रीगुप्त इस गांवों का जमींदार था। वह हमेशा उनकी भलाई में लगा रहता था।

सरकार! इस बार मेरी गेहूं की फसल अच्छी नहीं हुयी। मैं कर नहीं दे पाऊंगा।

कोई बात नहीं अगले वर्ष दे देना। और मंत्री जी से कह कर अच्छे बीज ले लो।

उसने लोगों के सुख के लिए कई मन्दिर बनवाए, और कुएं खुदवाए। उसका पुत्र जयगुप्त अपने पिता के इन कार्यों में मदद करता था।

गांव के सभी लोग श्रीगुप्त से खुश थे। राजा को जब श्रीगुप्त के बारे में खबर मिली तो उसने उसे तुरन्त बुलावा भेजा। मगर....

मैं अपना काम छोड़ कर जाना तो नहीं चाहता, मगर राजा का बुलावा टाल भी नहीं सकते।

अब जयगुप्त जाने को तैयार हो गया बेटा। मेरी गैरहाजिरी में जनता के लिये कोई कमी आप चिन्ता न करें पिताजी। न होने देना!

श्रीगुप्त राजदरबार में पहुंचता है।

आओ! श्रीगुप्त! मुझे तुम्हारा ही इन्तजार था।

CRYSTAL KUMAR UPLOAD

और धीरे-धीरे राजा ने श्रीगुप्त से शासन कार्य सम्बंधी अनेक रहस्य जान लिये।

जनता उसी राजा की प्रशंसा करती है जो उनके सुख का ख्याल रखे। उनकी रक्षा करे।

उधर जयगुप्त अपनी जिम्मेदारी अच्छी तरह निभा रहा था....

इस बार हमारी फसल पहले से दुगुनी हुयी है।

मगर श्रीगुप्त का मन अपने गाँव और अपने लोगों के बिना नहीं लग रहा था। उसने राजा से निवेदन किया।

महाराज! अब मैं अपने गाँव वापस जाना चाहूँगा।

अच्छी बात है, श्रीगुप्त!

न जाने जयगुप्त इतने बड़े कार्य को सम्भाल पाया होगा या नहीं।

शाबाश! जयगुप्त, तुमने अपने काम में कोई कमी नहीं छोड़ी।

मगर अब जयगुप्त सारा काम खुद सम्भालने लगा।

अब मैं क्या करूं? मेरे पास कुछ करने को नहीं है।

अचानक श्रीगुप्त बीमार पड़ गये। वैद्य एक हकीम को बुलाया।

नब्ज भी ठीक है, बुखार भी नहीं है, फिर क्या बात है।

शायद बुढ़ापे के कारण है।

शायद बेहतरी के कारण!

किसी को कुछ समझ नहीं आ रहा है। अब क्या करूं। ढिंढोरा पिटवाऊं!

जो व्यक्ति जमींदार को पूर्ण स्वस्थ कर देगा, उसे एक हजार स्वर्ण मुद्रायें पुरुस्कार स्वरूप दी जायेंगी।

एक हजार स्वर्ण मुद्रायें!

मैं जमींदार जी को देखने आया हूं शायद मैं पता लगा सकूं कि जमींदार साहब को क्या बीमारी है।

आओ!

महाशय! इनको एक अनोखा रोग है। इसके इलाज में काम आने वाली जड़ी बूटी हिमालय में ही मिल सकती है। और इस बीमार व्यक्ति की सन्तान में से एक को खुद लाना होगा।

मैं चलने को तैयार हूं।

CRYSTAL KUMAR UPLOAD

वह नदी बूटी उस पहाड़ के इस पार मिलेगी।

हम वहाँ दो दिन में पहुंच जायेंगे।

मगर बहुत ढूंढने पर भी इन्हें जड़ी-बूटी नहीं मिली।

हमने इन पहाड़ों पर चप्पा-चप्पा छान मारा, मगर नदी बूटी का कुछ पता नहीं।

अब क्या करें?

तुम्हें जिस जड़ी-बूटी की जरूरत है वह अब यहाँ नहीं मिल रही है, और कहीं मिल जाए तो मैं कुछ कह नहीं सकता।

अगर तुम जैसे ऐरे गैरे इलाज करने लग जायें तो बीमारों का क्या होगा!

अगर मुझे पहले मालूम होता कि तुम मुझे बना रहे हो तो मैं तुम्हारे साथ कभी नहीं आता।

उनका आदेश आज पर....

पंडित जी! यह अनाज गरीबों में बांट देना।

पिताजी! आप ठीक तो हैं न? आप को यह काम काज करते देख कर मुझे बहुत खुशी हुई है।

बिल्कुल ठीक हूँ बेटा!

महाशय! जरा सुनिये।

जी हाँ! बताइए, मैं आपकी क्या सेवा कर सकता हूं।

बो...मेरा पुरस्कार!

वाह! क्या कहने! एक तो तुमने किसी जड़ी बूटी का लालच देकर मुझे हिमालय ले गये, नाना प्रकार से सताया और अब ऊपर से पुरस्कार मांगते हो!

?

लेकिन उस जड़ी बूटी की महिमा से ही तुम्हारे पिता स्वस्थ हुए हैं। उनको सताने वाली असली बीमारी अधिकार की लालसा थी, जो उन्होंने राजा के पास जाने से पहले तुम्हें सौंपा था वह उनके लौटने पर तुमने उन्हें नहीं सौंपा।

तब जड़ी बूटी का बहाना बनाकर मैं तुम्हें दो महीनों के लिये दूर ले गया। जब मैंने कहा कि उस जड़ी बूटी को तुम्हें खुद लाना होगा, तभी तुम्हें मेरी चाल भांप लेनी चाहिये थी।

तो यह बात है!

अगर मैंने तुम्हारी चाल भांप ली होती...

तो मैंने भी सच बात बता दी होती।

CRYSTAL KUMAR UPLOAD

सच्चे मित्र बेवकूफ दोस्त

एक तालाब में कबुग्रीव नाम का एक कछुवा रहता था।

तालाब में आने वाले दो हंस उसके मित्र थे।

हम तीनों अच्छे मित्र हैं!

एक दूसरे का भला चाहने वाले हैं।

तभी तो अच्छे मित्र हैं!

कुछ दिनों बाद वर्षा के अभाव में तालाब सूखने लगा।

मित्र! तुम तो उड़कर चले जाओगे, बताओ मैं क्या करूं!

तुम्हारे खाने के लिये हम यहीं लाते रहेंगे!

ऐसा कब तक चलेगा, पानी के अभाव में मेरा भी यहां रहना मुश्किल है। कोई उपाय बन सके तो करो!

विपत्ति में धैर्य रखो! यत्न से सभी कार्य सिद्ध हो जाते हैं।

दोनो हंस जंगल से एक बांस की छड़ी ले आये।

मित्र कछुवा! यह रही हमारी तरकीब

जो तुम्हे यहाँ से छुटकारा दिलायेगी!

वह कैसे?

सुनो! हम दोनों ओर से छड़ी को अपनी चोंच से पकड़ कर उड़ चलेंगे।

तुम्हारा काम यह होगा कि छड़ी को बीच में से कसकर अपने मुख से पकड़ कर लटके रहोगे!

हम तुम्हें इसी तरह से दूसरे तालाब में ले जायेंगे।

ध्यान रखना! पूरी तरह मौन बने रहना किसी भी बात या शोरगुल पर ध्यान मत देना!

यदि इसमें लापरवाही की तो प्राण नहीं बचेंगे। सीधे आसमान से नीचे आकर गिरोगे!

यह तुम्हारी परीक्षा का समय है!

हंस कछुए को लेकर उस तालाब से उड़ निकले-

CRYSTAL KUMAR UPLOAD

नीचे कौतूहलवश स्त्री, पुरुष और बच्चे इस तमाशे को देख कर तालियां बजाकर शोर कर रहे थे।
उस शोर को सुनकर कछुए से नहीं रहा गया।
अरे! यह शोर कैसा है!?
इतना कहते ही कछुए के मुंह से बांस की छड़ी छूट गयी...
हाय!
...और वह धड़ाम से नीचे आकर गिरा, उसके टुकड़े-टुकड़े हो गये।
इसलिये कहा गया है कि जो अपने सच्चे मित्र की बात नहीं मानता, वह व्यक्ति नष्ट हो जाता है!
हमेशा अपने हितैषी की बात माननी चाहिये!

CRYSTAL KUMAR UPLOAD

डायमंड के चर्चित प्रकाशन

ज्योतिष सीरीज

राधा कृष्ण श्रीमाली

वृहद हस्तरेखा	5.00
ज्योतिष और रत्न	5.00
ज्योतिष सीखिये	5.00
अंक ज्योतिष	5.00
भारतीय ज्योतिष	5.00

डायमण्ड मिनी सीरीज

फिल्मी गीतमाला सीरीज:

साहिर के हिट फिल्मी गीत	4.00
नीरज के हिट फिल्मी गीत	2.00
हसरत जयपुरी के हिट फिल्मी गीत	2.00
राजेन्द्रकृष्ण के हिट फिल्मी गीत	2.00
इन्दीवर के हित फिल्मी गीत	2.00
भरत व्यास के हिट फिल्मी गीत	2.00
शकील के हिट फिल्मी गीत	2.00
रफी के दर्द भरे नग्में	4.00
रफ़ी के नग्मे	4.00
मुकेश के नग्मे	4.00
किशोर के नग्मे	4.00
लता के नग्मे	4.00
महेन्द्रकपूर के नग्मे	2.00
आशाभोसले के नग्मे	2.00
नये फिल्मी नग्में	2.00
दर्द भरे फिल्मी नग्में	2.00
फिल्मी हास्य गीत	2.00
फिल्मी गज़लें	2.00
फिल्मी कव्वालियां नग्मे	2.00
भूले बिसरे फिल्मी नग्में	2.00
फिल्मी राष्ट्रीय व भक्ति गीत	2.00
बिनाका गीतमाला-1	2.00
,, ,, भाग-2	2.00
,, ,, भाग-3	2.00
भाग-4	2.00
मुदाबहार फिल्मी नग्में	2.00
फिल्मी डायरेक्टरी (कलाकार व प्रोड्यूसर के पते)	2.00
चुलबुली रेखा (सचित्र जीवनी)	2.00
ग्रेट शोमेन राजकपूर ,,	2.00

सैक्स सीरीज

डा० सतीश गोयल

सैक्स शक्ति कैसे बढ़ायें	4.00
सैक्स और स्त्री-पुरुष	4.00
सैक्स और पति-पत्नी	4.00
वृहद वात्सयायन कामसूत्र	5.00

आचार्य भगवान देव

योग और सैक्स	4.00
योग स्त्रियों के लिए	4.00
योग पुरुषों के लिए	4.00

जूडो कराटे बाक्सिंग व कुंगफू कैसे सीखें

(ब्रूसली का रंगीन ब्लोअप फ्री)

अनेकों चित्रों के साथ एक सम्पूर्ण पुस्तक अब तक प्रकाशित इस विषय की पुस्तकों में सर्व श्रेष्ठ।

मूल्य 5.00

क्रिकेट कैसे खेलें

क्रिकेट खेलने की विधि, आकड़ों सहित इतिहास हर क्रिकेट प्रेमी के लिए अत्यन्त उपयोगी पुस्तक।

मूल्य 4.00

क्रिकेट की दुनिया में तहलका मचा देने वाले क्रिकेट सम्राट

सुनील गावस्कर

(सचित्र जीवनी)

क्रिकेट के अपटूडेट आंकड़ों के साथ उनकी सचित्र जीवनी।

मूल्य 4.00

युवा हृदय सम्राट

कपिल देव

(कपिल देव का रंगीन ब्लो अप फ्री)

मूल्य 4.00,

आधुनिक मल्लयुद्ध

कुश्ती के 1000 दाँव पेंच

मूल्य 10/-

खेल-कूद सीरीज

हाकी कैसे खेलें	2.00
फुटबाल, बालीवाल कैसे खेलें	2.00
टेनिस, टेबल टेनिस कैसे सीखें	2.00
शतरंज कैसे खेलें	2.00
बैडमिंटन व बास्केटबाल कैसे खेलें	2.00
जिम्नास्टिक तथा शारीरिक व्यायाम कैसे करें	2.00

धार्मिक सीरीज

संक्षिप्त रामायण	2.00
महाभारत	2.00
धार्मिक भजनावली	2.00
गीता संस्कृत हिन्दी	6.00
शिरडी के साईं बाबा	5.00
साईं बाबा एक चमत्कारिक व्यक्तित्व	5.00

कुकरी सीरीज

शाकाहारी भोजन पकाइये खाइये	2.00
मांसाहारी भोजन ,,	2.00
कांटीनेंटल डिशिज पकाइये खाइये ,,	2.00
अचार मुरब्बे चटनिया बनाइये खाइये (संशोधित)	2.00

हास्य कविता सीरीज

काका काकी की नोकझोंक (काका हाथरसी)	4.00
काका काकी के लव लेटर्स	4.00
काका के कारतूस	4.00
हुल्लड़ के कहकहे हुल्लड़ मुरादाबादी	4.00
हुल्लड़ का हंगामा ,,	3.00
वृद्धों ने किया कमाल यार (गोपालप्रसाद व्यास)	3.00
फक्कड़ का धमाका फक्कड़ मुरादाबादी	4.00

जोक्स सीरीज

टाप जोक्स	4.00
मिडनाइट जोक्स	4.00
मार्डन जोक्स	4.00
फिल्मी जोक्स	4.00
प्रेमी प्रेमिकाओं के जोक्स	2.00
हुल्लड़ के जोक्स	4.00
पति-पत्नी के जोक्स ,,	2.00
चटपटे जोक्स ,,	2.00
चुने हुए जोक्स ,,	2.00
पाटों जोक्स ,,	2.00
अकबर बीरबल के जोक्स ,,	2.00
बच्चों के जोक्स ,,	2.00
बड़े आदमियों के जोक्स ,,	2.00

शायरी सीरीज

गालिब की शायरी	2.00
उर्दू की बेहतरीन गज़लें	5.00
उर्दू की बेहतरीन नज़्में	5.00
हिन्दी रूबाइयां और मुक्तक	5.00
उर्दू की बेहतरीन शेर शराब और शबाब	4.00

डायमंड पाकेट बुक्स

२,७१५, दरियागंज
नई दिल्ली ११०००२

डायमंड पाकेट बुक्स में

आज के सर्वाधिक लोकप्रिय उपन्यासकार

समीर का 'दामाद' और 'धन दौलत'

की अपार सफलता के बाद एक और पारिवारिक उपन्यास

वचन की लाज

मूल्य 4/-

युवा लेखिका **चेतना** की बड़ी दीदी के बाद एक और भावनात्मक उपन्यास

परख 4/-

उर्दू के प्रसिद्ध उपन्यासकार **प्रारिफ** की कलम से बाबू जी के बाद एक और नया उपन्यास

इज़्ज़त 4/-

जासूसी उपन्यास सम्राट **वेद प्रकाश काम्बोज** का नया उपन्यास

हत्या के हथकण्डे 5/-

आपके व्यापार, धन, सम्पत्ति, नौकरी, व्यक्तित्व, प्रेम, उन्नति, विवाह, संतान, विद्या, स्वास्थ्य, मित्रता आदि प्रश्नों के उत्तर: **'1982 में आपका भविष्य'** सम्पूर्ण 12 राशियों का मूल्य 4/-

योगाचार्य भगवान देव की योग विषयक अनुपम पुस्तक

योग और स्वास्थ्य 5/-

हास्य रसावतार 'हुल्लड़ मुरादाबादी' का अनूठा संकलन

हुल्लड़ के जोक्स 4/-

समीर के उपन्यास

दामाद	4.00
कोशिश	4.00
धन-दौलत	4.00
विश्वासघात	3.00
आन	4.00
कसक	4.00
आराधना	4.00
दाग	4.00
बदनाम	4.00
वह लड़की	3.00
सुहाग	4.00
गहरा सागर	3.00
सीमा	3.00
कल्पना	3.00
जल तरंग	3.00
बहाना	3.00
सोनिया	3.00
आंख मिचौली	3.00
लाडली	3.00
पायल	4.00
औलाद	4.00

ओम प्रकाश शर्मा के उपन्यास

मुर्दे की अंगूठी	5.00
आदमखोर जानवर	5.00

वेद प्रकाश काम्बोज के उपन्यास

विध्वंस के उपासक	5.00

रानी बाजपेयी के उपन्यास

दो बहू रानियां	4.00
निर्दोष	4.00
दान दहेज	4.00
गुलमेंहदी	4.00

लोकदर्शी के उपन्यास

दासी	4.00
देवी	4.00
साजन की गलियां	4.00
जीवनसाथी	4.00
अबला	4.00
संजोग	4.00
कोमल	3.00
कैदी	4.00
दासी	4.00
पतंगा	4.00
प्यार की प्यास	4.00
खामोशी	3.00
अधूरी कहानी	3.00
दीपा	3.00
काजल	3.00
अभिलाषा	3.00
दो किनारे	3.00
झूठे सपने	3.00

गुरुदत के उपन्यास

स्वाथी	5.00
दुकोसला	5.00

गुलशन नन्दा के उपन्यास

नीलकण्ठ	5.00
घाट का पत्थर	4.00
जलती चट्टान	4.00

चेतना के उपन्यास

बड़ी दीदी	4.00
तृष्णा	4.00
प्रियतमा	4.00
पूजा के फूल	4.00
फूलों के आंसू	4.00
अनुराग	4.00
दीवानगी	4.00
बेबस	4.00
परछाई	4.00
संग्राम	4.00

राहुल के उपन्यास

राखी के धागे	4.00
त्याग	4.00
बन्दिनी	4.00
दो भाई	4.00

जेम्स हेंडली चेइज़ का उपन्यास

दगाबाज हसीना 5/-

डायमण्ड पाकेट बुक्स की

अपने घर में अपनी लायब्रेरी योजना के सदस्य बनिये।

- पहली बार नये सदस्यों को 10/- रु. मूल्य की उनकी मन पसन्द पुस्तकें केवल 8/- रु. में दी जाती है।
- सदस्यों को पहली बार सदस्यता शुल्क के दो रुपये देने होते हैं जो अग्रिम के रूप में हमारे पास जमा रहते हैं।
- फिर हर महीने 12/- रु. मूल्य की उनकी मन पसन्द पुस्तकें रु. 10/- में दी जाती हैं।
- पैकिंग व डाक खर्च हर बार हम वहन करते हैं। पहली दो पी. पी. व्यारिफक्स क्या भी निशुल्क भेजा जाता है।
- लगातार 6 बी.पी. छुड़ाने पर सातवीं बी.पी. में एक तीन रुपये की पुस्तक उपहार स्वरूप भेजी जाती है।
- यदि कोई सदस्य किसी मास बी.पी. न मंगाना चाहे तो सूचित करने पर बी.पी. नहीं भेजी जाती और फिर भी सदस्यता जारी रहती है।
- योजना के सदस्य किसी भी अन्य सीरीज की पाकेट बुक्स मंगा सकते हैं।
- डायमण्ड पुस्तक समाचार भी निशुल्क भेजा जाता है।

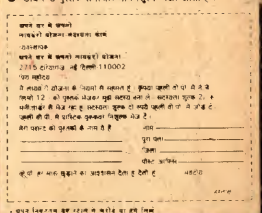

पांच पुस्तकें एक साथ मंगाने पर डाक व्यय फ्री!

डायमंड पाकेट बुक्स

२७१५, दरिया गंज, नई दिल्ली-2

डायमण्ड के चर्चित प्रकाशन

ज्योतिष सीरीज :

राधा कृष्ण श्रीमाली	
वृहद हस्तरेखा	5.00
ज्योतिष और रत्न	4.00
ज्योतिष सीखिये	4.00
अंक ज्योतिष	4.00

डायमण्ड मिनी सीरीज

फिल्मी गीतमाला सीरीज :

नौरज के हिट फिल्मी गीत	2.00
हसरत जयपुरी के हिट फिल्मी गीत	2.00
राजेन्द्रकृष्ण के हिट फिल्मी गीत	2.00
इन्दीवर के हिट फिल्मी गीत	2.00
भरतव्यास के हिट फिल्मी गीत	2.00
शकील के हिट फिल्मी गीत	2.00
रफी के दर्द भरे नगमे	4.00
रफी के नगमे	4.00
मुकेश के नगमे	4.00
किशोर के नगमे	4.00
लता के नगमे	4.00
महेन्द्रकपूर के नगमे	2.00
आशाभोसले के नगमे	2.00
नये फिल्मी नगमे	2.00
दर्द भरे फिल्मी नगमे	2.00
फिल्मी हास्य गीत	2.00
फिल्मी गज़लें	2.00
फिल्मी कव्वालियां नगमे	2.00
भूले बिसरे फिल्मी नगमे	2.00
फिल्मी राष्ट्रीय व भक्ति गीत	2.00
बिनाका गीतमाला-1	2.00
,, ,, भाग-2	2.00
,, ,, भाग-3	2.00
हिट फिल्मी नगमे (बिनाका गीतमाला) भाग-4	2.00
सदाबहार फिल्मी नगमें (सचित्र)	2.00
फिल्मी डायरेक्टरी (कलाकार व प्रोड्यूसर के पते)	2.00
चुलबुली रेखा (सचित्र जीवनी)	2.00
ग्रेट शोमैन राजकपूर (सचित्र जीवनी)	2.00
महेन्द्रकपूर और आशा भोंसले के नगमे	2.00

सैक्स सीरीज़

डा. सतीश गोयल	
सैक्स शक्ति कैसे बढ़ायें	4.00
सैक्स और स्त्री पुरुष	4.00
सैक्स और पति पत्नी	4.00
वृहद वात्स्यायन कामसूत्र	4.00

युवा हृदय सम्राट

कपिल देव

(कपिल देव का रंगीन स्लो अप फ्री)

मूल्य 4.00

क्रिकेट की दुनिया में तहलका मचा देने वाले क्रिकेट सम्राट

सुनील गावस्कर

(सचित्र जीवनी)

क्रिकेट के अपटूडेट आंकड़ों के साथ उनकी सचित्र जीवनी।

मूल्य 4.00

क्रिकेट कैसे खेलें

क्रिकेट खेलने की विधि आंकड़ों सहित इतिहास हर क्रिकेट प्रेमी के लिए अत्यन्त उपयोगी पुस्तक।

मूल्य 4.00

जूडो कराटे बाक्सिंग कुंगफू कैसे सीखें

(दूसरी का रंगीन स्लोअप फ्री)

अनेकों चित्रों के साथ एक सम्पूर्ण पुस्तक अब तक प्रकाशित इस विषय की पुस्तकों में सर्व श्रेष्ठ।

मूल्य 5.00

खेल-कूद सीरीज

हाकी कैसे खेलें	2.00
फुटबाल, बालीबाल कैसे खेलें	2.00
टेनिस, टेबल टेनिस कैसे सीखें	2.00
शतरंज कैसे खेलें	2.00
बैडमिंटन व बास्केटबाल कैसे खेलें	2.00
जिम्नास्टिक तथा शारीरिक व्यायाम कैसे करें	2.00

धार्मिक सीरीज

संक्षिप्त रामायण	2.00
महाभारत	2.00
धार्मिक भजनावली	2.00

कुकरी सीरीज

शाकाहारी भोजन पकाइये खाइये (नया संस्करण)	2.00
मांसाहारी भोजन ,,	2.00
कांटीनेंटल डिशिज	
पकाइये खाइये ,,	2.00
अचार मुरब्बे चटनियां बनाइये खाइये (संशोधित)	2.00

हास्य कविता सीरीज

काका की फिल्मी पैरोडियां (काका हाथरसी)	2.00
काका काकी के लव लैटर्स	4.00
काका के कारतूस	4.00
हुल्लड़ के कहकहे	4.00
हुल्लड़ का हंगामा हुल्लड़ मुरादाबादी	3.00
बूढ़ों ने किया कमाल यार (गोपालप्रसाद व्यास)	3.00
ससुराल चलो ,,	2.00
गोरी बैठी छत पर (ओमप्रकाश आदित्य)	2.00

जोक्स सीरीज

टाप जोक्स	3.00
मिडनाइट जोक्स	3.00
माडर्न जोक्स	3.00
फिल्मी जोक्स	3.00
प्रेमी प्रेमिकाओं के जोक्स (नया संस्करण)	2.00
पति-पत्नी के जोक्स	2.00
चटपटे जोक्स	2.00
चुने हुए जोक्स	2.00
पार्टी जोक्स	2.00
अकबर बीरबल के जोक्स	2.00
बच्चों के जोक्स	2.00
बड़े आदमियों के जोक्स	2.00

शायरी सीरीज

गालिब की शायरी	2.00
शकील की शायरी	2.00
दाग की शायरी	2.00
जफर की शायरी	2.00
चुनी हुई रुबाईयां	2.00

10/- की पुस्तकें मंगाने पर डाक व्यय फ्री!

डायमंड पाकेट बुक्स

२७१५, दरिया गंज, नई दिल्ली-११०००२

अच्छे साहित्य के लिये भरपूर वादा: मनोरंजक
कथानक की गारंटी: समाज की उठती
उभरती समस्यायें; बहुचर्चित
बहुप्रशंसित लेखिका –

रानी बाजपेयी

का नवीनतम उपन्यास

दो बहूरानियाँ

4/-

रानी बाजपेयी ने पहला उपन्यास **गुलमेंहदी** लिखकर अनोखा कीर्तिमान स्थापित किया- फिर दूसरे उपन्यास **दानदहेज** को पढ़कर पाठकों ने टिप्पणी की वे अपने स्वामी **प्रेम बाजपेयी** से आगे जायेगी! उन्होंने तीसरा उपन्यास **निर्दोष** लिखकर लोकप्रियता के आकाश को छू लिया!

रानी बाजपेयी के तीन शानदार नगीने!

जिन्हें न पढ़ने का अर्थ है अच्छे साहित्य से वंचित रहना

गुलमेंहदी 4/-

दानदहेज 4/-

निर्दोष 4/-

डायमंड पाकेट बुक्स 2715 दरिया गंज, नई दिल्ली-2

After the tremendous success of

Chacha Chaudhary

SERIES

DIAMOND COMICS

BRING TO YOU ANOTHER SUPER HIT COMICS SERIES OF INDIA'S FAMOUS CARTOONIST **'PRAN'**

BILLOO 1

THE FUNNIEST BOY OF THE CENTURY WITH HIS USUAL GANG OF URCHINS. THE SERIES WHICH ENTERTAINED YOU THROUGH THE YEARS IN 'PARAG' IS NOW AVAILABLE IN BOOK FORM.

OTHER NEW DIAMOND COMICS — **Rs. 3/- EACH**

- FAULADI SINGH'S AMBUSH WITH PLANETARY ROBBERS
- FAULADI SINGH & CULPRIT TARWILL
- MAMA BHANJA AND LAUREL OF RAJPUTS
- TAUJI AND MAGIC WAND
- CHACHA BHATIJA AND CRUEL SABATH
- RAJAN IQBAL'S DEADLY ENCOUNTER
- RAJAN IQBAL AND INTERNATIONAL GANGE
- CHACHA CHAUDHARY AND KARATE KING
- LAMBOO MOTOO AND MYSTERIOUS MURDERER

DIAMOND COMICS 2715 DARYA GANJ, NEW DELHI

Declaration No. F.2 (D/9) Press.(81)

Now in
Diamond
comics
PRAN'S
Chacha Chaudhary
THE MAN WHOSE BRAIN WORKS FASTER THEN COMPUTER WITH
SABU
THE GIANT FROM THE PLANET JUPITER, HAVE COME TO
ENTERTAIN YOU. THE LATEST OF THE SERIES.
CHACHA CHAUDHARY & KARATE KING.
LATEST DIAMOND COMICS AVAILABLE IN HINDI AND ENGLISH

FAULADI SINGH'S AMBUSH WITH PLANETARY ROBBERS	3/-	फौलादीसिंह और पृथ्वी के चोर	3/-
FAULADI SINGH CULPRIT TARWILL	3/-	फौलादीसिंह और शैतान टारविल	3/-
RAJAN IQBAL'S DEADLY ENCOUNTER	3/-	राजन इकबाल और मौत से टक्कर	3/-
RAJAN IQBAL AND INTERNATIONAL GANGE	3/-	राजन इकबाल और इंटरनेशनल गैंग	3/-
LAMBOO MOTOO AND MYSTERIOUS MURDERER	3/-	लम्बू मोटू और रहस्यमय हत्यारे	3/-
MAMA BHANJA AND LAUREL OF RAJPUTS	3/-	मामा भांजा और राजपूतों के जौहर	3/-
CHACHA BHATIJA AND KARATE KING	3/-	चाचा चौधरी और कैराटे सम्राट	3/-
TAUJI AND MAGIC WANG	3/-	ताऊजी और जादू का डन्डा	3/-
BILLU 1	3/-	बिल्लू १	3/-

DIAMOND COMICS, 2715 DARYA GANJ, NEW DELHI

CRYSTAL KUMAR UPLOAD

डायमण्ड कॉमिक्स

D-66 3.00

मामा भांजा और जादुई कलम

CRYSTAL KUMAR UPLOAD

PRESENTED BY:

@sdch_club

Join Us on Telegram for Your Favorite Comics and Much More

CLICK TO JOIN

Hindi Comics:
t.me/comics_hindi

Comics Fan Group:
t.me/raj_comics_unofficial

Requested Movies:
t.me/requestadda

Short Videos:
t.me/video_short

Backup 1 Backup 2